मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को जोधपुर में भाजपा कार्यकताओं की बैठक में शामिल हुए। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका दुपट्टा ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट करके बहुत जोश एवं उत्साह के साथ स्वागत किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक अतुल भंसली सहित कई नेता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक ली

मु.मंत्री ने कहा कि, राजस्थान में भाजपा हैटट्रिक करने वाली है। वर्ष 2014 में 25 सीटें थीं, 2019 में भी 25 सीटें थीं, इस बार और ज्यादा बहुमत से भाजपा 25 सीटें जीतेगी

- **जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर स्थानीय भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।**

जोधपुर, 19 अप्रेल (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि, जिस तरह से लोगों में लोकसभा चुनाव को लेकर उत्साह और उमंग है उससे लगता है कि इस बार फिर से राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में हैट्रिक लगाएगी।

जोधपुर में आई.टी.आई. सर्किल रोड स्थित एक होटल में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज जिस तरह से लोगों में उत्साह एवं उमंग है उससे यह सुनिश्चित है कि राजस्थान के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार बहुत बड़े बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बनाएंगे।

उन्होंने कहा, 2014 में भी 25 सीटें थीं, 2019 में भी 25 थीं और 2024 में भी बहुत बड़े बहुमत के साथ 25 सीटें आने वाली हैं। पानी के मुद्दे पर भजनलाल ने कहा कि, यह वर्ष पानी के लिए लिया है। जितनी भी लंबित योजनाएं हैं उन सभी योजनाओं को मूर्त रूप देने का काम करेंगे। इस साल ई.आर.सी.पी. योजना, यमुना जल समझौता, हिमाचल से पानी आगे लाना, पंजाब से आने वाली 15 किलोमीटर लंबी नहर, जो कि कच्ची है उसे पूरा करना, वह कार्य भी होगा। साथ ही नर्मदा को भी आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, पानी के लिए राजस्थान के जो स्रोत हैं उनको भी बढ़ाया जाएगा। राजस्थान में सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। हमारे लिए पहला मुद्दा पानी है फिर बिजली। बिजली में भी हम राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि, पानी बिजली सभी को मिलेगी फिर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि उद्योग धंधे बढ़ सकें। जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के साथ राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, शहर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेच, प्रवक्ता जगदीश धाणदिया सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे।

जो काम गहलोत ने मु.मंत्री रहते नहीं किया, वैभव वही काम करने की बात कर रहे हैं

जनता में एक ही सवाल चल रहा है, आखिर भरोसा कैसे करें

- **गहलोत भी कहीं ना कहीं यह बात समझ रहे हैं, इसलिए प्रदेश की सिर्फ इसी सीट पर उनका सारा फोकस है।**
- **गहलोत ने अपने सभी समर्थक नेताओं को इसी सीट पर लगा रखा है।**
- **लेकिन गहलोत जिस तरह से सचिन पायलट को वैभव के प्रचार अभियान से दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं, वो कहीं वैभव की हार का कारण न बन जाए।**
- **हालांकि पायलट ने साफ कहा था कि, वे वैभव के प्रचार के लिए जालोर जाएंगे, पर वैभव की नामांकन सभा और जालोर में प्रियंका गांधी की सभा से जानबूझ कर पायलट को दूर रखा गया।**
- **चर्चा है कि, गहलोत नहीं चाहते कि, उनके बेटे की जीत, अगर होती है तो, का थोड़ा सा भी श्रेय सचिन पायलट को मिले, चाहे इसका खामियाजा वैभव की हार ही क्यों ना हो।**

जालोर, 19 अप्रेल (कासं)। जालोर सिरोही लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने वचन पत्र जारी किया। वचन पत्र में क्षेत्र की ऐसी कई समस्याओं को दूर करने का वचन दिया गया है जिनका समाधान मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अशोक गहलोत कर सकते थे पर उन्होंने नहीं किया। अब उन समस्याओं का समाधान करने का वचन उनके पुत्र वैभव क्षेत्र के लोगो दे रहे हैं। इसलिए जनता वैभव गहलोत पर भरोसा नहीं कर पा रही है और गहलोत भी यह बात समझ रहे हैं तभी तो उनका पूरा फोकस इसी सीट पर है और पूरे प्रदेश की नज़रें भी इस सीट पर हैं।

जालोर के स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री से जवाई पुर्नभरण को लेकर व जवाई बांध के पानी का हक तय करने को लेकर कई बार कहा। लेकिन अभी तक समाधान हुआ। वही रोहट मार्ग, नेशनल हाईवे से जोड़ने, माही परियोजना आदि कार्य गहलोत के कार्यकाल में पूर्ण हो सकते थे। लेकिन उन्होंने नही किये, अब उनका पुत्र वचन पत्र के माध्यम से वचन दे रहे है कि जीते तो ये काम करेंगे लोगों में ऐसी चर्चा है कि मुख्यमंत्री रहते गहलोत यह कार्य पूर्ण नही कर सके तो अब तो उनकी सरकार भी नही है, अब उनका पुत्र उक्त कार्यो का वचन कैसे दे सकता है। वैभव का वचन पत्र भी लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। गहलोत स्वयं ब्लॉक स्तर की बैठके ले रहे हैं और कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर पूरा जोर लगा रहे हैं। गहलोत के नज़दीकी व खास नेता भी वैभव को जिताने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

लेकिन जालोर- सिरोही सीट पर सचिन पायलट का प्रचार के लिए नही आना चर्चा का विषय बना रहा। कुछ दिन पूर्व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सभा को सम्बोधित करने पहुंची। सभा में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा सहित अन्य गहलोत के मंत्रिमण्डल के कई मंत्री पहुंचे। लेकिन पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सभा में नही पहुंचे। चर्चा है कि गहलोत जालोर- सिरोही सीट से सचिन पायलट को दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं। वैभव की नामांकन सभा में सचिन आने की भी संभावना थी। लेकिन सचिन के घोर विरोधी नेता नामांकन रैली में थे इसलिए सचिन नहीं आए। सचिन पायलट पहले ही कह चुके हैं कि वे वैभव का प्रचार करने जालोर आएंगे। लेकिन नामांकन सभा व प्रियंका गांधी की सभा में सचिन की उपस्थिति दर्ज नही होना यही बताता है कि गहलोत नहीं चाहते कि सचिन पायलट जालोर -सिरोही आएं और वैभव गहलोत का प्रचार करें।

सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत स्वयं सचिन से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। गहलोत को डर है कि सचिन के आने से उनके पुत्र वैभव का चुनावी गणित कहीं उलट न जाए। यही नहीं वे वैभव के चुनाव में सचिन पायलट को कोई श्रेय नहीं देना चाहते हैं। एक साक्षात्कार में कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने भी किसी का भी नाम लिये बिना ही कहा कि वर्ष 2014 में उन्हें टोंक सवाईमाधोपुर या जालोर सिरोही से टिकट मिलने वाला था। लेकिन उनके विरोधियों ने उनका टिकट कटवा दिया था। समझा जाता है कि वैभव का इशारा पायलट की तरफ था।

शिक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईडी को जांच में पता चला कि इन आरोपियों की आरपीएससी की ओर से दिसंबर, 2022 में आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने में भूमिका है। ईडी ने पूर्व में आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी थी। जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड बरामद हुए थे। इसके साथ ही ईडी ने अन्य आरोपी बाबूलाल कटारा और अनिल मीणा सहित अन्य की अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से कुर्क किया था।

पहले चरण में 62.37 फीसदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल और मणिपुर में छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़कर देश भर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई। लोकसभा के पहले चरण के साथ - साथ अरुणाचल प्रदेश विधानसभा की सभी 60 और सिक्किम विधानसभा की सभी 32 सीटों के चुनाव भी संपन्न हो गये हैं। पहले चरण में कुल 102 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल पंजीकृत 16.63 करोड़ मतदाताओं में से शुक्रवार को 62.37 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। दूरदराज के इलाकों के निर्वाचन केन्द्रों का मतदान आंकड़ा बढ सकता है। आयोग ने आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बहुत से मतदान केन्द्रों पर मतदान का समाप्त होने का समय समाप्त होने पर भी मतदाता कतारों में खड़े थे। निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण में त्रिपुरा में वोट डालने वाले मतदाताओं का अनुपात सर्वाधिक 80.17 प्रतिशत रहा, जबकि बिहार में सबसे कम 48.50 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने निकले। आयोग द्वारा जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा की एक सीट पर 80.17 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में तीन सीटों पर 77.57 प्रतिशत, मणिपुर में दो सीटों पर 69.13 प्रतिशत, मेघालय में दो सीटों पर 74.21 प्रतिशत और असम में पांच सीटों पर 72.10 प्रतिशत वोट पड़े थे।

पुडुचेरी में एक सीट पर 73.50 प्रतिशत, छत्तीसगढ की एक सीट पर 63.41 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में एक सीट पर 65.08 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में पांच सीट पर 64.77 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में दो सीट पर 67.15 प्रतिशत, सिक्किम में एक सीट पर 69.47 प्रतिशत, नागालैंड में एक सीट पर 56.91 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

डी.एम.के. विजय रथ को रोकने की ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गठबंधन टूट जाने से द्रमुक का काम काफी आसान हो गया।

इस समय तमिलनाडू में मुकाबला दूसरे स्थान के लिए है क्योंकि पहले नम्बर पर द्रमुक है। परन्तु इस विचार को चौथे तत्व सीमान द्वारा चुनौती दी जा रही है, सीमान का नया चुनाव चिन्ह "माईक" है जो पार्टी के नाम के बिल्कुल अनुरूप है जो अपने दमदार विचारों से धूम मचा देता है।

एक मुद्दा है कि राम मंदिर, जिसका मुकाबला करने के लिए उन्होंने भगवान मुरूगन एवं भगवान शिव को मुद्दा बनाया है, जिन्हें ही तमिल भगवान माना जाता है। हालांकि सीमान की पार्टी एन.टी.के. को एक भी सीट मिलने की उम्मीद नहीं है, लेकिन कांटे की टक्कर वाले निर्वाचन क्षेत्रों में यह एक निर्णायक कारक साबित होगी।

द्रमुक की सरकार पिछले तीन वर्षों से प्रदेश स्तर पर अलोकप्रियता व सरकार विरोधी लहर की शिकार हो रही है। परन्तु भाजपा की अति सक्रियता और "आओ और फतह कर लो" की नीति के तहत प्रधानमंत्री का बार-बार तमिलनाडू आना, द्रमुक पर भ्रष्टाचार व वंशवादी राजनीति के आरोप लगाकर हमला करना, यह चतुर चाल तमिलनाडू में विफल हो गई है।

द्रमुक एवं अन्नाद्रमुक पर भाजपा द्वारा भ्रष्टाचार के लिए हमला करना, इलैक्टोरल बॉण्ड पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद हल्का पड़ गया।

भाजपा गठबंधन की कुछ पार्टियों पर पिछले कुछ दशकों में भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके और केन्द्र सरकार ने उनके खिलाफ बहुत ही मामूली कार्यवाही की है। भाजपा के साथ गठबंधन वाले भ्रष्ट आरोपियों में, पी.एम.के. के पूर्व केन्द्रीय मंत्री अम्बुमनी रामदोस हैं जिनकी पत्नी धर्मपुरी सीट से लोकसभा चुनाव में एन.डी.ए. की उम्मीदवार है तथा टी.टी.वी. दिनाकरण (थेनी) जिनको केन्द्रीय जाँच एजेन्सियों ने तिहाड़ जेल में डाल दिया है जिन्हें अन्नाद्रमुक पार्टी के प्रतीक चिन्ह के मुद्दे पर चुनाव आयोग को प्रभावित करने का आरोप हैं।

अभिनेता जोड़ी सरथ कुमार व राधिका जी.एस.टी. में धोखाधड़ी करने के मामले में अभी तक मुकदमें का सामना कर रहे है। यह करीब 8 करोड़ का मामला है जिसमें तत्काल गिरफ्तारी का प्रावधान है, यह लिस्ट लम्बी है। भाजपा का प्रचार अभियान और इसने जो मुद्दे उठाए वे जनता को उत्साहित नहीं कर पाए, उदाहरण के लिए काचातीवू विवाद, जिस पर भारत व श्रीलंका की सरकार के बीच समझौता हो चुका है।

भाजपा ने द्रमुक के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी पर कांग्रेस को शर्मिंदा करने की कोशिश की, पर इससे द्रमुक को ब्राह्मण विरोधी भावनाएं उभारने में मदद मिलीं।

दूसरी ओर स्टालिन ने केन्द्र में तमिलनाडू के साथ वित्तीय आवंटन के मुद्दे पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया आर कहा कि यह संविधान में वर्णित संघवाद के खिलाफ है। इन हालात में अन्नाद्रमुक की कोशिश है कि भाजपा को तीसरे स्थान पर धकेल दिया जाए, लोकसभा चुनावों के नहीं बल्कि विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र। हालांकि, अन्नाद्रमुक जो भी सीट जीतेगी व एन.डी.ए. के खाते में गिनी जाएगी।

'अमेठी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सी.पी.एम. का समर्थन किया था और कांग्रेस का लोकसभा चुनावों में, इससे यह साफतौर पर जाहिर होता है कि माकपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां राष्ट्र-विरोधी ताकतों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्होंने इस बात को विशेषरूप से रेखांकित किया। केरल प्रदेश में, माकपा और कांग्रेस नेता चुनावों में एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं परन्तु ये दिल्ली में एकजुट हैं और ये जनता को धोखा देते हैं। नड्डा ने यह भी कहा कि इंडी गठबंधन की पार्टियों का वैचारिक रूप से दिवाला निकला हुआ है।

पंजाब में मरीज के परिजन ने डॉक्टर पर किया जानलेवा हमला

होशियारपुर, 19 अप्रैल (वार्ता) ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति द्वारा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) डॉ सुनील भगत पर हमला करने के विरोध में शुक्रवार को पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज (पीसीएमएस) एसोसिएशन, पीसीएमएस स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों और ईएसआई अस्पताल के कर्मचारियों ने ईएसआई अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति ने एसएमओ डॉ. सुनील भगत पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

'ना संविधान को छेड़ेंगे और ना ही आरक्षण हटायेंगे'

अमित शाह ने कहा कि, भाजपा को अगर संविधान बदलना ही होता तो पिछले 10 सालों में हमारे पास खूब बहुमत था हम बहुत पहले ही ऐसा कर चुके होते

- **अमित शाह ने संविधान से पंथनिरपेक्ष (सैक्युलर) शब्द हटाने के आरोपों पर कहा, ''सैक्युलर शब्द हटाने की हमें कोई जरूरत नहीं है। इस देश को पंथनिरपेक्ष बनाने का सबसे बड़ा आग्रह बीजेपी का है, इसीलिए हम समान नागरिक संहिता ला रहे हैं।'**

गांधीनगर/नई दिल्ली, 19 अप्रेल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पहले दिन दो टूक कहा कि उनकी पार्टी और भाजपा की सरकार ना तो आरक्षण हटाएगी और ना ही संविधान से सेक्युलर शब्द हटाएगी। गुजरात के गांधीनगर सीट पर नामांकन दाखिल करने के बाद एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि, कांग्रेस ऐसे आरोप लगाकर देशवासियों को गुमराह कर रही है।

उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि, अगर भाजपा को संविधान बदलना होता तो पिछले 10 सालों से उसके पास बहुमत है, वह दस सालों में ऐसा कभी भी कर सकती थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बहुमत का इस्तेमाल अनुच्छेद 370 हटाने में, नागरिकता संशोधन कानून लाने में, तीन तलाक समाप्त करने में किया है। संविधान से पंथनिरपेक्ष (सैक्युलर) शब्द हटाने के आरोपों पर उन्होंने कहा, "सैक्युलर शब्द हटाने की हमें कोई जरूरत नहीं है। इस देश को पंथनिरपेक्ष बनाने का सबसे बड़ा आग्रह भाजपा का है, इसीलिए हम समान नागरिक संहिता ला रहे हैं।" केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, "कांग्रेस देश को शरिया के नाम पर चलाना चाहती है, इसलिए उन्हें सैक्युलर बनने की जरूरत है, हमें नहीं।" शाह ने कहा कि, हम तो कह रहे हैं कि इस देश का संविधान धर्म के आधार पर होना चाहिए।

अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह से वे कहते फिर रहे हैं कि भाजपा आरक्षण हटा देगी तो ये बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि, भाजपा ना तो आरक्षण हटाएगी और ना ही हटाने देगी। उन्होंने कहा कि, बहुमत का इस्तेमाल कर कांग्रेस ने कई गलत फैसले लिए हैं और अगर आगे भी ऐसा करने की सोचेगी तो भाजपा ऐसा करने नहीं देगी। गृह मंत्री ने संविधान में संशोधन की सरकार की योजना संबंधी अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "अगर हमें संविधान बदलना होता, तो हम पहले ही कर सकते थे।" शाह ने कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने संसद में उसे प्राप्त बहुमत का कभी दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, "हमारे पास दस साल तक जो बहुमत रहा, हमने उसका दुरुपयोग नहीं किया।

राज्य की बारह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पक्ष में वोटिंग प्रतिशत ऊंचा रहा था और भाजपा इस बार यह जोर देकर कह रही है कि उसकी सीटों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन ममता बनर्जी निरंतर संघर्ष की मुद्रा में है और खबरें भी संकेत दे रही हैं कि वे अपना जनाधार बनाए रखेंगी। तमिलनाडू के सभी 39 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आज मतदान हुआ। यहाँ द्रमुक और कांग्रेस को स्वयं के जीतने की उम्मीद है। चूंकि मोदी का तमिलनाडू और केरल पर अधिक फोकस रहा है, इसलिए भाजपा को तमिलनाडू में कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है, लेकिन इस चुनाव में भाजपा को यहाँ कोई कामयाबी मिलना संभव नहीं लगता।

'जेल में केजरीवाल को उपलब्ध नहीं कराई जा रही इन्सुलिन'

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (वार्ता)। आप ने मोदी सरकार के इशारे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में उनको इंसुलिन नहीं दी जा रही है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की कार्य पद्धित और और उनके नेता जिस तरह से काम करते हैं, वह किसी की जान लेने की हद तक षड़यंत्र रच सकते हैं।

- **आप नेता संजय सिंह ने कहा कि, ऐसा करके एक निर्वाचित मु.मंत्री के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।**

केजरीवाल के खिलाफ चल रही कार्रवाई को देखकर कह सकता हूं कि उनके खिलाफ गहरी साजिश रची गई है और जेल में उनके साथ किसी भी तरह का हादसा हो सकता है।

'भाजपा देश में विपक्ष को खत्म कर मनमानी करना चाहती है'

सचिन पायलट टोंक-सवाई माधोपुर में हरीश मीणा के समर्थन में आयोजित जनसभा में बोले

- **पायलट ने टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट के चौथ का बरवाड़ा, बौली, निवाई और खेड़ली में हरीश मीणा के लिए जनसभाएं की।**
- **पायलट ने खेड़ली व चौथ का बरवाड़ा में हरीश मीणा के समर्थन में रोड शो भी किया, चौथ का बरवाड़ा में सचिन खुद कार चलाते हुए देखे गए।**
- **पायलट ने जनता से अपील की कि, 26 अप्रैल को पोलिंग बूथ पहुंचकर मतदान अवश्य करें।**

बौंली, बामनवास, (निस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा एवं बौली, बामनवास क्षेत्र के खेड़ली गांव में शुक्रवार को टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी हरीश मीणा के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। इसके अलावा उन्होंने रोड शो भी किया।

पायलट ने अपने भाषण में भाजपा सरकार पर देश में विपक्ष को खत्म करके मनमर्जी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह चुनाव देश में बदलाव चाहता है। कभी भी राहुल गांधी, सोनिया गांधी व अन्य कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में किसी भी पार्टी को समाप्त करने की बात नहीं कही लेकिन भाजपा देश को कांग्रेस मुक्त बनाने की बात करती है। दिल्ली एवं झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल में डाल रखा है। चौथ का बरवाड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के हेलीपैड पर उतरने पर कांग्रेस के पूर्व खंडार विधायक अशोक बैरवा, सवाई माधोपुर पूर्व विधायक दानिश अबरार, ब्लॉक अध्यक्ष विमल मीणा सहित अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सचिन पायलट ने चौथ का बरवाड़ा के मुख्य बाजार में स्वयं कार चलते हुए हरीश मीणा के लिए रोड शो किया।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने निवाई के ग्राम पंचायत नयागांव की सभा को भी संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरी प्रसाद बैरवा, विधायक इंद्रा मीणा, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पीसीसी उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, टोंक सवाईमाधोपुर से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश मीणा सहित हजारों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण व कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि 26 अप्रेल को पोलिंग बूथ पर पंहुचकर शत प्रतिशत मतदान करें। उन्होंने आरोप लगाया। भाजपा सरकार ने सारे हवाई अड्डे, रेलवे की लाइन, कल कारखाने, बिजली घर सहित सभी विभागों को बेच दिया है। पायलट ने कहा कांग्रेस के घोषण पत्र में प्रत्येक परिवार की महिला को उसके खाते में हर वर्ष 1 लाख रूपए डालने की घोषणा की है, यानि एक लाख रुपए प्रत्येक परिवार को हमारी पार्टी की सरकार बनने के बाद मिलेंगे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सवाई माधोपुर के बौली-बामनवास क्षेत्र के खेड़ली गाँव में हरीश मीणा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसके अतिरिक्त पायलट ने खुद कार ड्राइव करते हुये हरीश मीणा के लिए रोड शो भी किया। पायलट के सवाई माधोपुर आगमन पर स्थानीय नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908